महत्वपूर्ण एवं खास

सारंगगढ़ का बाइक चोर कोरबा में पकड़ाया

कोरबा (आरएनएस)। सारंगगढ़ जिले के भटगांव मीनाबाजार से बाइक चोरी कर कोरबा में लाकर ग्राहक तलाश रहे बाइक चोर को रंगे हाथों पकडक़र कोतवाली एवं साइबर सेल की टीम ने कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार भटगांव मीना बाजार जिला सारंगढ़ से 15 दिन पूर्व बाइक चोरी कर कोरबा के सीतामढ़ी कुम्हार मोहल्ले में कल शाम ग्राहक तलाश रहे महेन्द्र कुमार खुंटे पिता उम्र 22 पिता भगतराम खुंटे थाना सरसींवा को मुखबीर से मिली सूचना पर कोतवाली टीआई रूपक शर्मा एवं साइबर सेल टीआई सनत सोनवानी के निर्देशन में कोतवाली के एसआई ईश्वरी लहरे, आरक्षक प्रशांत बंजारे तथा साइबर सेल के एएसआई राकेश सिंह, सुशील यादव, राजेश कंवर ने कल शाम पकड़ लिया। आरोपी से बाइक जप्त कर उसे 41-1-4 धारा 379 के तहत आज रिमांड पर कोरबा न्यायालय पेश किया जा रहा है।

रोजगार मेला का आयोजन 2 मई को

कोरबा (आरएनएस)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोरबा में रोजगार मेला का आयोजन 02 मई को किया जाएगा। रोजगार मेला के माध्यम से जय अम्बे एमरजेंसी सर्विसेस (आई) प्रा0लि0 रायपुर के लिए ईएमटी 15 पद, पायलेट के लिए 15 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए योग्यता जी.एन.एम. बीएससी नर्सिंग, एमपीएचडब्ल्यू होनी चाहिए। पायलेट पद के लिए दसवीं, बारहवीं के साथ हैवी लाइसेंस होना चाहिए। इच्छुक आवेदक उक्त तिथि को सुबह 11 बजे उपस्थित होकर अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार के लिए अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

पुलिस लॉकअप में ठगी के आरोपी की संदिग्ध मौत

बिलासपुर (आरएनएस)। बिलासपुर के तारबाहर थाने के लॉकअप में ठगी के आरोपी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आरोपी की मौत से पुलिस महकमे में हडक़ंप मचा हुआ है। इस मामले में परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया है। बता दें कि तारबाहर थाने में सन 2022 में दीपक कुमार बेहरा ने श्याम मोहिद्दकर के खिलाफ जमीन व वाहन के नाम पर 4 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले की जांच में पता चला कि आरोपी तेलीबांधा रायपुर में अपने परिवार के साथ रह रहा है। पुलिस ने मंगलवार को ही रायपुर से दीपक को गिरफ्तार कर लाया था। पुलिस ने आरोपी को रात भर तारबाहर थाने के लॉकअप में रखा था। बुधवार को आरोपी को देखा गया तो वह बेहोश पड़ा हुआ था। घटना की जानकारी के बाद पुलिस कर्मी घबरा गए और तारबाहर टीआई मनोज नायक को इसकी जानकारी दी। इसके बाद आनन फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बंदी की मौत से पूरे पुलिस महकमे में हडक़ंप मच गया है। वहीं मृतक के परिजन पुलिस पर आरोप लगा रहे है। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है।

1 लाख के ईनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा (आरएनएस)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान पूना नर्कोम (नई सुबह, नई शुरूआत) के तहत व थाना चिंतागुफा के अंदरूनी क्षेत्रों में नवीन सुरक्षा कैम्पों के स्थापित होने से क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक कार्यों से प्रभावित होकर प्रतिबंधित नक्सली संगठन में सक्रिय ईनामी नक्सली कवासी देवा (डीएकेएमएस अध्यक्ष, ईनामी छ.ग. शासन द्वारा 01 लाख, पुलिस अधीक्षक द्वारा 5,000 रूपये) निवासी थाना चिंतागुफा ने नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में किरण चव्हाण, अति. पुलिस अधीक्षक, नक्स ऑप्स. जिला सुकमा, विशाल वैभव डिप्टी कमाण्डेन्ट 241 वाहिनी सीआरपीएफ एवं परमेश्वर तिलकवार पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उक्त नक्सली को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में सुभाषचन्द्र मीणा, सहायक कमाण्डेन्ट 241 वाहिनी सीआरपीएफ व 241 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा।

दंतैल ने दौड़ाया तो जान बचाने भागे दो ग्रामीण गड्ढे में गिरकर घायल

कोरबा (आरएनएस)। वनमंडल कोरबा के अंतर्गत कुदमुरा रेंज में पहुंचा दंतैल लगातार उत्पात मचा कर ग्रामीणों तथा वन विभाग के नाक में दम कर दिया है। इसी दंतैल ने कल शाम फिर दो ग्रामीणों पर हमला करने की कोशिश की। ग्रामीणों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचायी। इस प्रयास में गड्ढे में गिरकर दोनों ग्रामीण घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुदमुरा वन परिक्षेत्र के ग्राम कल्मीटिकरा में मंगलवार की शाम 5 बजे के लगभग घटित हुई। बताया गया कि कलमी टिकरा निवासी दो ग्रामीण महेश राठिया 34 व रोहित राठिया 28 वर्ष अपने खेत में लगे धान की फसल को देखने गए थे। इसी बीच उनका सामना क्षेत्र में घूम रहे खतरनाक दंतैल से हो गया। ग्रामीणों को देखकर दंतैल ने हमला करने के लिए दौड़ाया। इसी तरह दोनों ग्रामीणों ने भागकर अपनी जान बचायी। इस प्रयास में दोनों गड्ढे में गिर गए और घायल हो गए। जानकारी मिलने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई है। इससे पहले सोमवार की रात पसरखेत में भी दो बाइक सवार ग्रामीणों पर हमला करने का प्रयास किया था। दोनों ने बाइक को छोड़ गड्ढे में छिपकर जान बचायी थी। दंतैल ने अपना गुस्सा उतारते हुए बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया था। उधर कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में भी दंतैल हाथियों का कहर लगातार जारी है। दंतैल हाथियों ने यहां के तरईमार गांव में बीती रात फिर उत्पात मचाते हुए कीर्ति पति प्रकाश नामक ग्रामीण महिला के घर को तोड़ दिया। इतना ही नहीं घर में रखे धान, चावल, महुआ को खाने के साथ ही घरेलु सामान जिसमें अलमारी व बर्तन भी शामिल है तहस-नहस कर दिया। दंतैल हाथियों के उत्पात से महिला को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। जानकारी के अनुसार मरवाही क्षेत्र से पहुंचे दो दंतैल हाथी कल शाम 6.30 बजे के लगभग जंगल से निकले और 8.30 बजे तरईमार गांव में पहुंचकर जमकर उत्पात मचाने लगे। इस दौरान दंतैल हाथियों ने भारी कहर ढाया। दंतैल हाथियों के तरईमार गांव में पहुंचने तथा उत्पात मचाये जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग का अमला तत्काल बाइक में सवार होकर मौके पर पहुंचा और गांव में मुनादी कराने के साथ ही ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और उत्पाती हाथियों को खदेडऩे की कार्रवाई की। वन अमला द्वारा खदेड़े जाने पर हाथियों ने जंगल का रूख किया। जंगल पहुंचने से पहले रास्ते में कौशल कुमार के खेत में लगे धान की फसल को भी बूरी तरह रौंद दिया। वन अमला ने आज सुबह हाथियों द्वारा रात में किये गए नुकसानी का सर्वे करने के साथ ही अपनी रिपोर्ट तैयार की। पसान रेंज के जलके सर्किल में सात हाथी विचरणरत है। इन हाथियों ने यहां कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया।

जिले के कटघोरा एवं कोरबा वनमंडल में हाथियों का आतंक जारी है, जहां कटघोरा वनमंडल पसान व केंदई रेंज में 43 की संख्या में हाथी घूम रहे हैं। वहीं कोरबा वनमंडल के बालको एवं कुदमुरा क्षेत्र में 21 हाथी विचरणरत है। बालको रेंज में मौजूद 20 हाथी तो शांत हैए वहीं 34 हाथियों के केंदई रेंज के लालपुर व कापानवापारा में होने की सूचना मिली है।

ये हाथी भी शांत है। जिले में हाथियों की आमद और उत्पात का सिलसिला दो दशक से भी जयादा समय से बनी हुआ है। जंगली जानवरों के हमले में होने वाली जनहानि के लिए अब पीडित परिवारों को पुनरीक्षित सहायता राशि 6 लाख रूपए दी जा रही है। पिछले वर्षों में यह राशि 4 लाख रूपए सुनिश्चित की गई थी।

वन पर्यावरण मंत्रालय के द्वारा बनायी गई व्यवस्था के अंतर्गत इसमें परिवर्तन किया गया। इसी तरह फसल और संपत्ति नुकसान के लिए मानक भी बनाए गए हैं। विभागीय सर्वे एवं आंकलन के साथ ऐसे मामलों में विभाग अगली कार्रवाई करता है। इन सबके बावजूद मूल सवाल कायम है कि कोरबा जिले में जिन रास्तों से होकर हाथियों का प्रवेश होता है, उन्हें बाधित करने के लिए स्थायी समाधान कब किये जाएंगे।

रायपुर की सांस्कृतिक ऐतिहासिक धरोहरों के दर्शन होंगे आसान

- 10 महत्वपूर्ण स्थलों का विकास करते हुए बनाए गए हैरीटेज वाक का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण
- शहर की प्राचीन धरोहरों को जोड़ने शासन की अनुपम पहल
- मुख्यमंत्री बघेल ने भेंट मुलाकात के दौरान हैरीटेज वाक पर स्थित सभी प्रमुख स्थलों का किया दर्शन

रायपुर (आरएनएस)। अपने शहर की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक विरासतों के दर्शन अब आम नागरिकों के लिए काफी आसान होंगे और उनके लिए यह अनुभव सुंदर और यादगार हो जाएगा। हैरीटेज वाक की अनुपम विरासत आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नागरिकों को दी। आजादी के दौर के गवाह रहे ऐतिहासिक टाउन हाल से शुरू करते हुए प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत दिखाने वाली महाकौशल कलावीथिका की झलक लेते हुए नागरिक शहर की सबसे पुरानी बस्ती में प्रवेश करेंगे और यहां ऐतिहासिक धार्मिक धरोहरों को देखेंगे। वे नागरीदास मंदिर, जैतूसाव मठ आदि से गुजरते हुए पूरा रूट देखेंगे। इसे एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री सबसे पहले जैतूसाव मठ पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण की पूजा अर्चना की। साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। इसके बाद हनुमान बावली पहुंचे जहां उन्होंने हनुमान जी की पूजा की। बताते हैं कि यह बावली बहुत पुरानी है। पांच सौ साल पहले इसके भीतर से लोगों को हनुमान जी की प्रतिमाएं दिखीं। मान्यता के अनुसार तीन प्रतिमाएं

थीं। इनमें से एक को बावली में ही स्थापित किया गया। एक मूर्ति मठपारा में स्थापित की गई। यहां के महंत हनुमान जी की पूजा कर दूध का आहर लेते हैं इस वजह से इसका नाम दूधाधारी मठ रखा गया। तीसरी मूर्ति गुढिय़ारी के मच्छी तालाब में स्थापित की गई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में यहां बावली की साफसफाई कराई गई तब बावली की भीतरी दीवारों पर वानर स्वरूप आकृति दिखाई दी जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। उल्लेखनीय है कि इस रूट पर बूढ़ातालाब से लेकर किलेवाले बाबा, बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर, शीतला माता मंदिर, महामाया मंदिर, नागरीदास मंदिर, महावीर व्यायाम शाला, जैतूसाव मठ, जगन्नाथ मंदिर और टूरी हटरी को जोड़ा गया है। हैरीटेज वाक रूट प्रोजेक्ट के तहत शहर की एतिहासिक बिल्डिंग टाउन हाल और महाकौशल कला वीथिका के पुनर्विकास के काम भी कराया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत बूढ़ातालाब से लेकर टूरी हटरी तक पाथवे बनाने, पाथवे पर बिजली लगाने, पर्यटकों के बैठने के लिए 40 विभिन्न स्थानों पर आकर्षक बैंच लगाने 216 सोलर पोस्ट लगाने के काम किए गए है। पूरे मार्ग पर साढ़े तीन हजार वर्ग मीटर आकर्षक पेटिंग कराई गई है। हैरीटेज वाक रूट के स्थलों के लिए रोड मार्किंग और आकर्षक साइन बोर्ड भी लगाये गये है।

ग्राम ठेलकाबोड में दिखा तेंदुआ, सावधानी बरतने की हिदायत

कांकेर (आरएनएस)। जिला मुख्यालय के नजदीक ग्राम ठेलकाबोड में आज सुबह तेंदुआ नजर आया है, इसके बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी मौके पर पंहुच गई है। ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ बस्ती से लगे पहाड़ी की ओर भागा है, जिसके बाद वन अमला ड्रोन की मदद से पहाड़ी के आस-पास क्षेत्र में निगरानी कर रहा है। हालांकि टीम सुबह से शाम तक नजर रख रहा था, लेकिन शाम तक तेंदुआ नजर नहीं आया है।

पहाड़ी के बस्ती से सटे होने के कारण वन अमले ने ग्रामीणों से घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। साथ ही पूरे इलाके में वन विभाग के कर्मचारी तैनात हैं। ड्रोन से भी लगातार नजर रखी जा रही है। इस इलाके में तेंदुए की मौजूदगी लंबे समय से रही है, लेकिन इस बार तेंदुआ बस्ती के नजदीक आ गया है, जिससे वन अमला पूरी तरह से सतर्क है। कांकेर वन परिक्षेत्र के रेंजर संदीप सिंह ने बताया कि तेंदुआ आखिर बार जिस पहाड़ी पर नजर आया था। वहां नजर रखी जा रही है, फिलहाल तेंदुआ काफी देर से नजर नही आया है। वन विभाग पूरी तरह से सतर्क है। ग्रामीणों को भी बिना किसी जरूरी काम के घर से बाहर नही निकलने की समझाइश दी गई है।

कंकाली तालाब पर फ्लड-फसाड लाईट में जगमगाएंगें धौलपुर लाल पत्थर

- मुख्यमंत्री ने किया एतिहासिक कंकाली तालाब जीर्णोधार-सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर शहर के बीचों-बीच घनी आबादी से घिरा साढ़े छह सौ साल पुराना कंकाली तालाब अब अपने अलग ही सौंदर्य से शहरवासियों को आकर्षित करेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की राज्य के एतिहासिक धरोहरों के संरक्षण-संवर्धन की नीति पर अमल करते हुए नगर निगम रायपुर में इस तालाब का जीर्णोधार और सौंदर्यीकरण का काम कराया है। बघेल ने आज भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान एक करोड़ 34 लाख रूपये की लागत से हुए तालाब सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण किया। कंकाली तालाब में साढ़े तीन सौ वर्ग मीटर धौलपुर लाल पत्थर से सौंदर्यीकरण किया गया है। फसाड लाईट और फ्लड लाईट में इन पत्थरों का सौंदर्य तालाब को नई पहचान दे रहा है। तालाब में 28 बड़े खंभो पर बिजली की

जगमगाहट भी की गई है। घाट एवं पचरी मरम्मत कर रंगाई-पुताई का काम भी किया गया है। तालाब के चारो ओर लगभग साढ़े चार सौ मीटर स्टेनलेस स्टील की रेलिंग भी लगाई गई है।

माँ कंकाली मंदिर लगभग 650 वर्ष पुराना है। प्राचीन समय में जब तालाब की खुदाई की गई, उस समय नर कंकाल मिलने के कारण इसका नाम कंकाली मंदिर पड़ा। इस मंदिर की स्थापना मां कंकाली के आदेशानुसार महंत कृपाल गिरी जी ने की। यह मंदिर सन्यासियों के साधना का केन्द्र रहा है इस तालाब की मान्यता है कि यहां स्नान करने से चर्म रोग, खाज, खुजली सभी ठीक हो जाते है। मंदिर से कुछ ही दूरी पर कंकाली मठ स्थित है, जो साल में एक दिन दशहरा पर खुलता है, वहीं पर नागा सन्यासी मां कंकाली की उपासना करते थे।

जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज में कोविड सैंपल हेतु किया जा रहा आरटीपीसीआर टेस्ट

- कोविड-19 की जानकारी व पूछताछ हेतु हेल्पलाइन नं. 07762-296756 जारी

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के दिशा-निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन पर रायगढ़ जिले में कोरोना की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट है। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों के टीम भी भ्रमण कर तैयारियों का परीक्षण कर जिले में जिला अस्पताल एवं समस्त सीएचसी, पीएचसी में इसके अंतर्गत विविध प्रकार के जीवन रक्षक मेडिकल उपकरणों को शुरू कर उनकी क्रियाशीलता जांची गयी एवं दवाईयों की उपलब्धता की समीक्षा की गई। कोविड को लेकर स्वास्थ्य विभाग की तैयारी पूरी है तथा हर तरह से निगरानी बरती जा रही है। लोगों द्वारा मास्क, सेनेटायजर, सोशल डिस्टेंस का भी प्रयोग किया जाना आवश्यक है। जिला अस्पताल और मेडिकल कालेज में कोविड सैंपल हेतु आरटीपीसीआर टेस्ट किया जा रहा है। रायगढ़ अर्बन के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इंदिरा नगर, गांधी नगर, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामभांठा में कोविड टेस्टिंग व समस्त विकासखंड के सीएचसी व पीएचसी में एंटीजन टेस्ट की सुविधा लोगों को दी जा रही है।

स्थानीय वासियों से अपील की जाती है कि कोविड के लिये सर्तकता बरतने एवं शासन द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश का पालन करने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही स्थानीय कार्यालय में कोविड-19 की जानकारी व पूछताछ हेतु हेल्पलाइन नं. जारी कर स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। अधिक जानकारी के लिये हेल्प लाइन कंट्रोल रूम नं.- 07762-296756 में संपर्क कर सकते है।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रथम दीक्षांत समारोह में 13 पीएचडी शोधार्थियों को डिग्री और 135 छात्र छात्राओं को मिला स्वर्ण पदक

दुर्ग (आरएनएस)। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रथम दीक्षांत समारोह व आठवीं विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में आज भिलाई इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी ऑडिटोरियम में संपादित हुआ। जहां समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल बिश्वभूषण हरिचंदन द्वारा की गई, माननीय राज्यपाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े थे। वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समारोह के मुख्य अतिथि बने। आज के दीक्षांत समारोह में 13 पीएचडी शोधार्थियों को डिग्री और 135 छात्र छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। समारोह में पर्यावरण संरक्षण व समाज कल्याण की दिशा में अद्वितीय कार्य के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और 47 वर्षों से कला की साधना करने वाली पंडवानी गायिका पद्म मती उषा बारले को मानद उपाधि दी गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल में पोटिया कला में 40 एकड़ रकबे व 12 करोड़ की लागत से निर्मित हो रहे नए हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के लिए ऑडिटोरियम और नरेंद्र देव वर्मा शोधपीठ के स्थापना की घोषणा की।

महामहिम राज्यपाल बिश्वभूषण हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में शिक्षा को सबसे ताकतवर हथियार बताया। उन्होंने दीक्षांत समारोह में उपस्थित शोधकर्ताओं व छात्र-छात्राओं दी जाने वाली उपाधि व स्वर्ण पदक को उनके सालों की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने इस बात की खुशी जताई की विद्यार्थी अपने जीवन की नये पड़ाव पर प्रवेश कर रहे हैं। भविष्य मे कई चुनौतियां आएगी लेकिन नये अवसर भी प्राप्त होंगे। बेहतर भविष्य का निर्माण हो इसके लिए आपके पास शिक्षण सत्र में अर्जित किया गया ज्ञान और कौशल दोनो है। जिसे आप अपनी मेहनत, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और जिज्ञासा से प्राप्त करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा ने जो शक्ति प्रदान की है, उसे आप अपने भविष्य निर्माण और समाज के निर्माण में लगाएं। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री बघेल ने ऑडिटोरियम में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए स्वर्गीय हेमचंद यादव जी को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया। पीएचडी की उपाधि व स्वर्ण पदक पाने वाले छात्र-छात्राओं में लड़कियों की कुल संख्या 107 थीं।

1 मई श्रम दिवस को "बोरे बासी दिवस" के रूप में मनाया जाएगा

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने समय सीमा की बैठक में आगामी 1 मई को राज्य में आयोजित हो रहे "बोरे बासी दिवस" के संबंध में सभी अधिकारियों को कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप सभी स्टाफ बोरे बासी खाने और मजदूर दिवस मनाने की आवश्यक तैयारी करें एवं इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें। राज्य शासन द्वारा पिछले वर्ष से छत्तीसगढ़ी संस्कृति, रहन सहन, खान-पान का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से मजदूर दिवस के दिन को बोरे बासी दिवस के रूप में मनाया गया था। कलेक्टर डॉ सिद्दीकी ने मई माह से जिले के कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालने हेतु सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में सभी विभागीय अधिकारियों से बच्चों को गोद लेने के संबंध में सहमति ली। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मई माह से कुपोषित बच्चों को गोद लेकर तीन महीनों तक सतत् मानीटरिंग करते हुए उन्हें पोषणयुक्त भोजन प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में चिरायु से बच्चों के निःशुल्क हेल्थ चेकअप हेतु शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने जिले में कोरोना के मामलों और रिकवरी के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने खाद भंडारण एवं वितरण के कार्यों की जानकारी ली। अग्रिम भंडारण और लक्ष्य के आंकड़ों की ब्लॉकवार सूची तैयार कर तय लक्ष्यों के आधार पर प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना अंतर्गत जिले के स्कूलों में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद जाति प्रमाण जारी करने संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए एंट्री के कार्य में तेजी लाने को कहा। कलेक्टर डॉ सिद्दीकी ने किसान किताब और आधार प्रविष्टि के मामले, राजस्व लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए आंकड़ों की समीक्षा करते हुए आगामी दिनों में इन सभी मामलों के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही नक्शा बंटाकन और अभिलेख शुध्दता रिपोर्ट के कार्यों की समीक्षा की एवं पटवारियों और राजस्व निरीक्षकों की सहायता से कार्य की गति बढ़ाने को कहा। राजस्व न्यायालय के प्रकरणों के संबंध में नाराजगी जताते हुए सभी न्यायालयों में लंबित मामलों का प्राथमिकता से शीघ्र निपटान करने को कहा।

इसके अलावा नगरी क्षेत्रों में शासकीय भूमि का व्यवस्थापन, अवैध निर्माण का नियमितीकरण, वर्मी खाद वितरण, धन्वंतरी मेडिकल स्टोर योजना, सेजेस भर्ती, वन अधिकार पत्र, कृष्ण कुंज, रासायनिक ऊर्वरक वितरण, बीज भंडारण, मिलेट मिशन, जल जीवन मिशन, मनरेगा, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, जैविक खाद्य भंडारण, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, संयुक्त कलेक्टर भागवत जायसवाल, एसडीएम मोनिका वर्मा एवं डॉ स्निग्धा तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा सैद्धांतिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU